लापरवाही | ई-निविदा और कार्य आदेश के बावजूद वार्ड 3 और 4 की मुख्य सड़क बदहाल, गड्ढों में तब्दील हुआ आम रास्ता

2 माह में बननी थी सड़क, साल भर बाद भी काम शुरू नहीं

मझौली, नवभारत संवाददाता जबलपुर। नगर परिषद मझौली के जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विकास के दावों के बीच वार्ड क्रमांक 3 और 4 को जोड़ने वाली मुख्य सड़क प्रशासन की उदासीनता की भेंट चढ़ गई है। बताया जाता है कि जिस सड़क का निर्माण कार्य दो महीने में पूरा होना था, उसका काम साल भर बाद भी शुरू नहीं हो सका है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस सड़क के निर्माण के लिए 17 अप्रैल 2025 को ई-निविदा के माध्यम से कार्य आदेश जारी किया गया था। अनुबंध के मुताबिक, ठेकेदार को दो माह के भीतर सीसी रोड का निर्माण पूर्ण करना था। लेकिन विडंबना देखिए कि अप्रैल 2026 बीत जाने के बाद भी धरातल पर एक ईंट तक नहीं रखी गई है।

गड्ढों और जलभराव से आमजन त्रस्त

ज्ञातव्य हो कि यह सड़क मझौली के कई वार्डों के निवासियों के लिए आवागमन का मुख्य मार्ग है। वर्तमान में स्थिति यह है कि सड़क पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे आए दिन राहगीर और दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं बेमौसम बारिश होने पर इन गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। वार्ड वासियों का कहना है कि नगर परिषद की इस सुस्त कार्यप्रणाली के कारण वे नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क का निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे परिषद कार्यालय का घेराव कर उग्र आंदोलन करेंगे जिसकी सम्पूर्ण जवाबदेही नगर परिषद सहित शासन-प्रशासन की होगी। अब देखना यह है कि कुंभकर्णी नींद में सोया प्रशासन कब जागता है और वार्ड वासियों को इस 'गड्ढा युद्ध' सड़क से कब मुक्ति मिलती है।

प्रशासनिक चुप्पी पर उठ रहे सवाल

जब कार्य आदेश एक साल पहले जारी हो चुका था, तो आखिर निर्माण कार्य शुरू क्यों नहीं कराया गया? क्या ठेकेदार पर जुर्माना लगाया गया या उसे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू हुई? नगर परिषद की यह निष्क्रिय कार्यप्रणाली भ्रष्टाचार और मिलीभगत की ओर इशारा करती है।

मझोली में अवैध रेत परिवहन पर दो वाहन जब्त

चालक दस्तावेज दिखाने में रहे नाकाम

मझोली, नवभारत। ग्राम मझोली में प्रशासन ने अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए दो वाहनों को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा है। कार्रवाई के दौरान वाहन चालकों के पास रेत से संबंधित कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाए गए।

पहली कार्रवाई में वाहन क्रमांक एमपी 17 जी 2932 को रोककर पूछताछ की गई। चालक अतुल निवासी इन्द्रा कॉलोनी, मो: 8124475451 ने बताया कि वह रेत सिमरिया से भरकर घर ले जा रहा था। जब उससे रेत के संबंध में रॉयल्टी या अन्य कागजात मांगे गए, तो वह पेश नहीं कर सका। पूछताछ में पता चला कि वाहन में रेत कटरा स्थित एक ढेर से भरी गई थी और इसे बिलगवां ले जाया जा रहा था। इस वाहन के चालक के पास भी परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले। जिस पर मौके पर ही प्रशासन द्वारा पंचनामा तैयार किया गया। इस दौरान सुन्दर लाल आशीष दाहिया (कोटवार) पटवारी मौजूद रहे।

प्रशासन ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध रेत कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

इनका कहना है

अवैध उत्खनन और बिना रॉयल्टी के खनिज परिवहन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और संबंधितों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। यह अभियान निरंतर जारी रहेगा, जो भी शासन के राजस्व को चूना लगाने की कोशिश करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

दिलीप हनुमत, तहसीलदार

20 मई को बंद रहेगी बेलखाड़ू की दवा दुकानें

जबलपुर ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन ने दवा व्यवसाईयों से की अपील

बेलखाड़ू, नवभारत, जबलपुर। जबलपुर ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन (जेसीडीए) जबलपुर के पदाधिकारी गणों ने कटंगी रोड बेलखाड़ू के सभी रिटेल मेडिकल स्टोर पर जाकर 20 मई को दवा व्यवसाय के देश व्यापी बंद के समर्थन में सहयोग करने की अपील की। देश व्यापी आंदोलन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की भी सहमति के चलते दवा दुकानों को भी पूर्णत: बंद कर ऑनलाइन दवाइयों की बिक्री बंद करने, कॉरपोरेट द्वारा भारी डिस्काउंट बंद करने सहित नकली दवाओं से देश को बचाने संबंधी मुद्दों एक दिवसीय दवा व्यापार बंद कर सहयोग की अपील की।

इस अवसर पर जेसीडीए जबलपुर के अध्यक्ष आजाद जैन, रमाकांत रावत, संजय विश्नोई, नवीन कपूर, रमेश कृष्णानी, मनोज शर्मा सहित अन्य पदाधिकारीगण ने बेलखाड़ू पहुंचकर स्थानीय रिटेलर्स से भेंट और ई फार्मेसी की विसंगतियों पर राय शुमारी कर आंदोलन की रूप रेखा बताई। सभी केमिस्टों ने पूर्व के आंदोलन की भांति 20 मई को दवा व्यवसाय का संचालन बंद कर आंदोलन में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

पूरी निष्ठा से रोगियों की सेवा और देखभाल की जिम्मेदारी निभाती हैं नर्स

स्वास्थ्य केंद्र बेलखाड़ू में केक काटकर मनाया गया अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

बेलखाड़ू, नवभारत, जबलपुर। नर्स रोगियों की सेवा और देखभाल के लिए जिम्मेदार होती हैं। इनका मुख्य काम रोगी की स्थिति की मॉनिटरिंग करना, उपचार और दवाओं की देखभाल करना साथ ही उन्हें चिकित्सा सलाह देना होता है। डॉक्टर्स के साथ दिन रात मिलकर नर्स लोगों की सेवा करती हैं। जितनी भूमिका डॉक्टर की होती है उतनी ही भूमिका रोगियों की जिंदगी में नर्स की भी होती है।

पूरी निष्ठा के साथ मरीजों की देखभाल करने वाली नर्सों के प्रति सम्मान और उनके योगदान के लिए हर साल 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। उपरोक्त आशय के उदगार एक दूसरे के बीच साझा करते हुए उत्साह के साथ शासकीय स्वास्थ्य केंद्र बेलखाड़ू में आज वर्ल्ड नर्स डे पर नर्सिंग स्टाफ ने केक काटकर सेलिब्रेट किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नर्सिंग इंचार्ज पूजा सेन, वर्षा कुर्मी, प्रेमलता पटेल, शिखा शुक्ला, राधा ठाकुर, मुकेश रजक, सुमित श्रीवास सहित अन्य उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी पड़ी भारी

शैलवारा उपसरपंच पर कार्रवाई

नवभारत,सिहोरा। सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करना ग्राम शैलवारा के उपसरपंच को महंगा पड़ गया। मझगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उपसरपंच को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 28 अप्रैल 2026 को मंडल अध्यक्ष पवन गुप्ता द्वारा किसानों की गेहूं खरीदी जल्द शुरू होने को लेकर एक पोस्ट सोशल मीडिया पर साझा की गई थी। इस पोस्ट पर ग्राम शैलवारा के उपसरपंच आशीष विश्वकर्मा ने कथित रूप से अभद्र और आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग करते हुए टिप्पणी कर दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पवन गुप्ता ने मझगवां थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर थाना प्रभारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आशीष विश्वकर्मा के खिलाफ धारा 151 के तहत प्रकरण दर्ज किया और उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान आशीष विश्वकर्मा ने स्वीकार किया कि उन्होंने यह टिप्पणी शराब के नशे में की थी। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को सामाजिक मर्यादा और जिम्मेदारी का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उनका मानना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में गलत संदेश देती हैं और जनप्रतिनिधियों की छवि को भी धूमिल करती हैं।

ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों के अनुरूप होंगे विकास कार्य : आशीष दुबे

बरेला मंडल की ग्राम पंचायतों में सांसद ने किया जनसंवाद

नवभारत,जबलपुर। लोकसभा क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने मंगलवार को पनागर विधानसभा अंतर्गत बरेला मंडल में आयोजित ग्राम पंचायत प्रवास कार्यक्रम के तहत विभिन्न ग्राम पंचायतों का दौरा कर ग्रामीणों से प्रत्यक्ष संवाद किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा ग्रामीणों की समस्याएं, सुझाव और विकास संबंधी अपेक्षाएं सुनीं।

सांसद आशीष दुबे का प्रवास शारदा मंदिर से प्रारंभ होकर देवरी, बम्हनी, धनपुरी,डूडी, पहाड़ी खेड़ा ,उमरिया, बिलगड़ा, पड़वार, परतला और हिनोतिया भोई ग्राम पंचायत में संपन्न हुआ। प्रत्येक ग्राम में ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं एवं युवाओं ने उनका आत्मीय स्वागत किया और स्थानीय आवश्यकताओं से अवगत कराया। इस दौरान ग्राम पंचायत बिलगड़ा एवं हिनोतिया भोई में नवनिर्मित पंचायत भवन का लोकार्पण विधायक सुशील इंदु तिवारी के साथ किया।

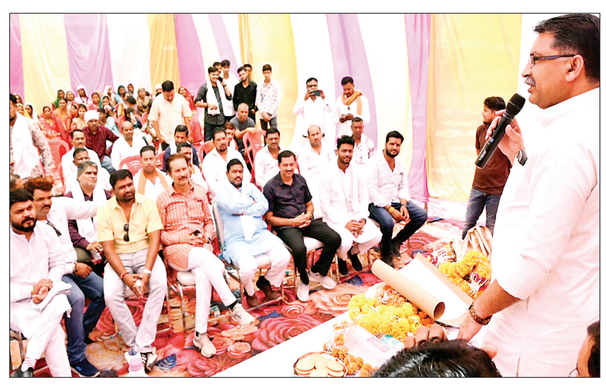

जनता का विश्वास उनकी सबसे बड़ी जीत : सांसद

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए सांसद आशीष दुबे ने कहा कि जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि 'आप सभी ने जो स्नेह और विश्वास दिया है, उसी के बल पर विकास कार्यों को गति मिली है। ग्रामीणों से प्राप्त सुझावों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप क्षेत्र में विकास कार्य प्राथमिकता के साथ कराए जाएंगे।' कार्यक्रम के दौरान विधायक सुशील इंदु तिवारी, चंद्रकला गोस्वामी, राजमणि सिंह बघेल, प्रतीक दुबे, अंकुर जैन, मनोज यादव, अर्पित जैन, राहुल बारी, आनंद साहू, चंदन पटेल, सोनू सोनकर, संदीप शुक्ला, संजय पटेल, रामेश्वर साहू, रनेश खरे, नितिन मिश्रा सहित पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं स्थानीयजन उपस्थित रहे।

जनजातीय कल्याण केंद्र बरगांव में पशु टीकाकरण शिविर आयोजित

नवभारत,जबलपुर। जनजातीय क्षेत्रों में पशुधन स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई शक्ति देने के उद्देश्य से मंगलवार को *जनजातीय कल्याण केंद्र, बरगाँव (डिंडोरी)* में एक विशाल 'पशु टीकाकरण एवं उपचार शिविर' का सफल आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अभियान में *नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर* ने एक सक्रिय सहभागी के रूप में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और सहयोग प्रदान किया।

शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि लखन पटेल , मंत्री, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, मध्य प्रदेश शासन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में संपतिया उइके,मंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. मनदीप शर्मा, माननीय कुलगुरू, जबलपुर ने की। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि लखन पटेल ने क्षेत्र के विकास में पशुपालन की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'पशुपालन कृषि आजीविका का एक अनिवार्य हिस्सा है और ग्रामीण जीवन स्तर को सुधारने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। सरकार पशुपालन क्षेत्र को उन्नत बनाने के लिए पूरी तरह सक्रिय है।

35 गांवों के सैंकड़ों पशुपालकों ने उठाया लाभ

बरगाँव और आसपास के पैंतीस गाँवों के सैकड़ों पशुपालकों ने इस शिविर का लाभ उठाया। सर्दियों के मौसम से पहले बीमारियों की रोकथाम के लिए किए गए इस प्रयास की ग्रामीणों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. आदित्य मिश्रा ने जनजातीय कल्याण केंद्र, बरगाँव के सहयोग और सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया।शिविर में जनजातीय कल्याण केंद्र के राजकुमार मटाले, वेटनरी कॉलेज की डीन डॉ. राखी वैश्य, विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. सुनील नायक , डीएसडब्ल्यू डॉ. आदित्य मिश्रा उपसंचालक डॉ शुक्ला, एवं डॉ सुनील बाजपेई सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

लापरवाही | साहब को मौके पर पहुँचने में लगे 50 दिन

कार्यालय की नाक के नीचे श्मशान पर कब्जा

नवभारत, पनागर। सरकारी तंत्र की संवेदनशीलता और जनसमस्याओं के प्रति उनकी गंभीरता की पोल एक बार फिर पनागर में खुल गई है। तहसील कार्यालय से महज चंद मिनटों की दूरी पर स्थित ग्राम देवरी कला की शासकीय श्मशान भूमि पर हुए अवैध अतिक्रमण को देखने के लिए तहसीलदार को 50 लंबे दिनों का समय लग गया।

यह मामला स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। ?पूर्व पार्षद की शिकायत को किया अनसुना पूरा मामला तब शुरू हुआ जब 23 मार्च 2026 को पूर्व पार्षद सर्वेश मिश्रा ने स्वयं उपस्थित होकर तहसीलदार पनागर को लिखित शिकायत सौंपी और साथ ही सी.एम. हेल्पलाइन पर भी गुहार लगाई। शिकायत में स्पष्ट उल्लेख था कि श्मशान की भूमि (खसरा 344/1) पर पटवारी की मिलीभगत से अवैध कब्जा कर लिया है।

जांच के बिना ही शिकायत बंद करने का खेल

हैरानी की बात यह है कि शिकायतों पर कार्रवाई करने के बजाय विभाग ने मामले को दबाने का प्रयास किया। 16 अप्रैल को बिना किसी जमीनी जाँच-पड़ताल के, राजस्व विभाग के माध्यम से सी.एम. हेल्पलाइन को यह प्रतिवेदन भेज दिया गया कि 'शिकायत को नस्तीबद्ध (बंद) कर दिया जाए।' यह कदम स्पष्ट रूप से प्रशासनिक लापरवाही और अतिक्रमणकारियों को संरक्षण देने की ओर इशारा करता है।

मीडिया के दबाव के बाद जागे अधिकारी

लगातार समाचार माध्यमों में खबर आने और सी.एम. हेल्पलाइन पर सक्रियता दिखाने के बाद, प्रशासन को बाध्य होना पड़ा। शिकायत के लगभग 50 दिन बाद, 11 मई को तहसीलदार पनागर ने मौके पर पहुँचकर निरीक्षण किया और तब जाकर इस लोक हित के मुद्दे पर कार्रवाई आगे बढ़ सकी।

इनका कहना है

नोटिश कट गई है 248 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध करके व्यक्ति को नोटिस काट दी गई है उसका जवाब आ जायेगा उसके बाद आदेश कर देगे

सुनीता मिश्रा नायब तहसीलदार पनागर

आखिर जिम्मेदारी कब समझेंगे अधिकारी

यहांसबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह उठता है कि आखिर प्रशासन जनहित के मुद्दों पर अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाने में इतना सजग क्यों नहीं है? जो दूरी चंद मिनटों में तय की जा सकती थी, उसे तय करने में 50 दिन क्यों लगे? क्या गरीब और आम आदमी की समस्या का समाधान तभी होगा जब वह दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर थक जाए या मीडिया का सहारा ले। क्षेत्रीय जनसमुदाय अब यह देख रहा है कि निरीक्षण के बाद अतिक्रमण हटता है या मामला फिर फाइलों में दबकर रह जाता है।